# राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक : 2 ] बारहवीं विधान सभा के दूसरे सत्र का पहला दिवस [ संख्या : 1

**बुधवार,**

**30 जून, 2004**

**(राजस्थान विधान सभा की बैठक 11.00 बजे विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई)**

**(श्रीमती सुमित्रा सिंह, अध्यक्ष, पदासीन)**

## राष्ट्रीय-गीत

वन्दे मातरम् । वन्दे मातरम्
सुजलाम सुफलाम् मलयज शीतलाम्
शस्य श्यामलाम् मातरम् । वन्दे मातरम्।
शुभ्र ज्योत्सना पुलकित यामिनी।
फुल्ल कुसुमित द्रुमदल शोभिनी।
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी।
सुखदाम् वरदाम् मातरम् ।
वन्दे मातरम्, वन्दे मातरम्।

## मांग

## बिजली की बढ़ी दरें वापस लेने की मांग

**मोहम्मद माहिर आजाद** (नगर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, बिजली की दरें नहीं बढ़ाने का यहां शिक्षा मंत्रीजी ने पिछले सत्र में सदन को आश्वासन दिया था। आज जब सदन आहूत हो रहा है, इसके दो दिन पहले बिजली की दरें बढ़ाकर के जो उपभोक्ताओं की पीठ में छुरा भोंकने का काम इस सरकार ने किया है...

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य।

**मोहम्मद माहिर आजाद** : हम उसकी निन्दा करते हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, आप खुद परिचित हैं कि स्वर्गीय हरिदेव जोशीजी के राज में दो पैसे यूनिट बिजली की दर बढ़ाई गई थी तो आप ही के जिले झुंझुनूं के... (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** (संसदीय कार्य मंत्री) : अध्यक्ष महोदय, कौनसे नियमों के तहत ये बोल रहे हैं? (व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य** : यह नई परम्परा है साहब। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें। आसन पैरों पर है। माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें। आसन पांवों पर है। (व्यवधान)

**मोहम्मद माहिर आजाद** : आप खुद गवाह हैं। (व्यवधान) शहीद हुआ था। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें। माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें। (व्यवधान)

**मोहम्मद माहिर आजाद** : आपने आश्वासन दिया था हाउस के अन्दर...

**श्री राजेन्द्र राठौड** : आपने कितनी बार बढ़ाई आपके राज में? (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य।

**मोहम्मद माहिर आजाद** : 15 पैसे बढ़ाकर आप क्या कहना चाहते हो? (व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य** : भारत सरकार ने कोयले और डीजल के रेट बढ़ाये हैं। (व्यवधान)

**मोहम्मद माहिर आजाद** : यह तौहफा देना चाहते हो क्या आप? आप प्रदेश की जनता को क्या तोहफा देना चाहते हो? यहां घनश्यामजी तिवाड़ी ने इसी फ्लोर पर कहा था...(व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** (सरकारी मुख्य सचेतक) : माननीय अध्यक्ष महोदय, शोकाभिव्यक्ति के समय पहली बार विपक्ष इस प्रकार का आचरण कर रहा है। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : माननीय प्रतिपक्ष के नेता, आपको बहुत अवसर मिलेंगे। माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें। माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें। (व्यवधान)

**मोहम्मद माहिर आजाद** : यह कहां का इन्साफ है? (व्यवधान) माननीय शिक्षा मंत्रीजी, आपने इस सदन को आश्वस्त किया था। (व्यवधान)

**श्री महावीर प्रसाद जैन** : शोकाभिव्यक्ति शुरू करो आप तो। (व्यवधान)

**मोहम्मद माहिर आजाद** : आप खुद जेल गये थे। आप बैठ जाओ। आप खुद जेल गये थे। (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : आपने रेट बढ़ाई वह कुछ नहीं। आपने बिजली की दर बढ़ाई। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : अंकित नहीं हो। माननीय सदस्यगण, अंकित नहीं हो रहा है, अंकित नहीं किया जा रहा है।

**मोहम्मद माहिर आजाद** : x x x

**श्री महावीर प्रसाद जैन** : x x x

**मोहम्मद माहिर आजाद** : x x x

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें। आपको बहुत अवसर मिलेगा। पहला दिन है, राज्यपाल महोदय ने आपको जो धन्यवाद प्रस्ताव के सम्बन्ध में अपना संदेश भेजा है वह सुनें, फिर शोकाभिव्यक्ति होगी। सदन लम्बे समय तक चलेगा। आपको पूरा अवसर मिलेगा। आप इस तरीके से सारे नियमों की अवहेलना करते हुए खड़े हो जाते हैं। माननीय सदस्य, आप तीसरी बार जीतकर आये हैं, आपके लिए यह शोभनीय नहीं है।

**मोहम्मद माहिर आजाद** : x x x

**श्री संयम लोढ़ा (सिरोही)** : x x x

**श्री अध्यक्ष** : आपको बहुत समय मिलेगा। अब आपको क्या हो गया?

**श्री संयम लोढ़ा** : x x x

**डा. सी. पी. जोशी (नाथद्वारा)** : x x x

**श्री ओम बिरला (संसदीय सचिव)** : x x x

**श्री अध्यक्ष** : सिरोही से आने वाले माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें। (व्यवधान) अंकित नहीं हो। स्थान ग्रहण करें। अंकित नहीं हो रहा है। आप स्थान ग्रहण करिये। आप स्थान ग्रहण करिये। (व्यवधान)

**श्री संयम लोढ़ा** : x x x

**डा. सी. पी. जोशी** : x x x

**श्री अध्यक्ष** : अंकित नहीं हो रहा है। (व्यवधान) आप चाहते नहीं हो।

**श्री अशोक बैरवा (खण्डार)** : x x x

**डा. सी. पी. जोशी** : x x x

**श्री अध्यक्ष** : सदन की गरिमा को आप भी तो बनाये रखिये। सदन की गरिमा को बनाये रखने का काम केवल सत्ता पक्ष का नहीं है, प्रतिपक्ष का भी है, आप भी बनाये रखिये। (व्यवधान)

**डा. सी. पी. जोशी** : x x x

**श्री संयम लोढ़ा** : x x x

**श्री हीरालाल (निवाई)** : x x x

**श्री अशोक बैरवा (खण्डार)** : x x x

**श्री संयम लोढ़ा** : x x x

**डा. सी. पी. जोशी** : x x x

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : x x x

श्री मोहन लाल गुप्ता (किशनपोल) : x x x

डा. सी. पी. जोशी : x x x

श्री सांगसिंह भाटी : x x x

श्री जुबेर खान : x x x

डा. सी. पी. जोशी : x x x

(सदन में नारेबाजी)

श्री राजेन्द्र राठौड़ : x x x

मोहम्मद माहिर आजाद : x x x

श्री ओम बिरला : x x x

श्री भवानी सिंह राजावत : x x x

श्री ओम बिरला : x x x

श्री भवानी सिंह राजावत : x x x

श्री जुबेर खान : x x x

श्री रमेश खींची : x x x

मोहम्मद माहिर आजाद : x x x

श्री बंशीलाल खटीक : x x x

श्री महावीर प्रसाद जैन : x x x

श्री अध्यक्ष : आप लोग विराजें। आप विराजें।

श्री महावीर प्रसाद जैन : x x x

श्री प्रकाश चौधरी : x x x

डा. बुलाकीदास कल्ला : x x x

श्री महावीर प्रसाद जैन : x x x

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** : x x x

**श्री महावीर प्रसाद जैन** : x x x

**श्री संयम लोढ़ा** : x x x

**मोहम्मद माहिर आजाद** : x x x

**श्री अशोक** : x x x

**श्री महावीर प्रसाद जैन** : x x x

**श्री बाबूलाल नागर** : x x x

**श्री महावीर प्रसाद जैन** : x x x

**श्री ओम बिरला** : x x x

**श्री अशोक** : x x x

**श्री महावीर प्रसाद जैन** : x x x

**श्री बंशीलाल खटीक** : x x x

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य। माननीय सदस्यगण।

**श्री जुबेर खान** : x x x

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें माननीय सदस्य। स्थान गहण करें।

**श्री बंशीलाल खटीक** : x x x (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : सत्ता पक्ष के माननीय सदस्य, स्थान ग्रहण करें, स्थान ग्रहण करें। माननीय सदस्यगण, आखिर इस सदन को चलाने के कुछ नियम हैं...

**श्रीमती राजकुमारी शर्मा** : x x x

**श्री अध्यक्ष** : बीच में नही बोलिये, बीच में नहीं बोलिये। (व्यवधान) और उन नियमों से यह सदन चलेगा। (व्यवधान) बजट के ऊपर आपको

(श्री अध्यक्ष)

अपनी बात कहने का पूरा अवसर मिलेगा। आप इस समय ख्वामख्वाह में खड़े होकर के इस मुद्दे को उठा रहे हैं...(व्यवधान) आपको मौका मिलेगा तब आप उठाइयेगा मौके पर। ख्वामख्वाह में उठा रहे हैं बिलकुल, बिलकुल सही बात है। यह गलत बात है आपकी। (व्यवधान) आज, विराजिये और स्थान ग्रहण करिये न आप।

**श्री अशोक** : xxx

**श्री संयम लोढ़ा** : xxx

**श्री ओम बिरला** : xxx

**श्री संयम लोढ़ा** : xxx

**श्री अशोक** : xxx

**श्री पुष्पेन्द्र सिंह** : xxx

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्यगण, मैं माननीय सदस्यों को सूचित करती हूं कि राज्यपाल महोदय द्वारा दिये गये अभिभाषण पर...

**श्री रामसिंह विश्नोई** : xxx

## संदेश

## राज्यपाल महोदय से प्राप्त संदेश

**श्री अध्यक्ष** : अब जब आसन पांवों पर है तब आप लोग क्यों खड़े हो रहे हैं, क्यों बोल रहे हैं। मैं माननीय सदस्यों को सूचित करती हूं कि राज्यपाल महोदय द्वारा दिये गये अभिभाषण पर दिनांक 22 जनवरी, 2004 को सदन द्वारा पारित धन्यवाद प्रस्ताव के उत्तर में निम्न संदेश राज्यपाल महोदय से प्राप्त हुआ है। "प्रिय अध्यक्ष महोदया, आपके अर्द्धशासकीय पत्रांक एफ.10 (1) सदन/विधान सभा/ 2004/4934 दिनांक 22 जनवरी, 2004 प्राप्त हुआ। माननीय सदस्यों द्वारा प्रकट कृतज्ञता के लिए मैं उनका आभारी हूं। आपसे निवेदन है कि आप कृपया मेरे कृतज्ञता ज्ञापन को माननीय सदस्यों को पहुंचाने का कष्ट करें। सदभावी, मदन लालजी खुराना।"

# घोषणा

## सभापति तालिका

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्यगण। नहीं, आपको मैं अवसर दूंगी। एक बात और सुन लीजिये आप। माननीय सदस्यों को सूचित करना है कि प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 9(1) के अन्तर्गत मैं निम्नांकित सदस्यों को सभापति तालिका के लिए मनोनीत करती हूं।

(1) श्री रामनारायण विश्नोई

(2) श्री सुरेन्द्र गोयल

माननीय सदस्यगण, शोकाभिव्यक्ति के इस अवसर पर...

**श्री संयम लोढ़ा** : अध्यक्ष महोदय...

**एक माननीय सदस्य** : आसन पांवों पर है।

**श्री अध्यक्ष** : आसन पांवों पर। सचिव। सचिव खड़े होंगे। सचिव, आप बोलिये। (व्यवधान)

**सचिव, राजस्थान विधान सभा** : महोदय, मैं गत सत्र में पारित उन विधेयकों का विवरण सदन की मेज पर रखता हूं जिन पर राज्यपाल महोदय की अनुमति प्राप्त हो चुकी है।

**श्री रामसिंह विश्नोई** : अध्यक्ष महोदय, मैंने एक निवेदन किया था... (व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष** : हां, यस। इनके बाद।

**श्री रामसिंह विश्नोई** : इनके बाद तो नहीं...

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : नहीं-नहीं, इनके बाद में तो आपका प्रोग्राम आ जायेगा। सैक्रेटरी की प्रायोरिटी नहीं है, इनकी प्रायोरिटी पहले है।

**एक माननीय सदस्य** : आप इनको अवसर दें तो पहले दें।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : सचिव का बोलना जरूरी नहीं है। पहले माननीय सदस्य का बोलना जरूरी है। आपने कहा है अवसर देने के लिए।

**श्री रामनारायण चौधरी** : जो सरकारी बिजनस है वह कर रही हैं आप।

**श्री रामसिंह विश्नोई** : एक ही मिनट बोलूंगा मैं तो।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : अध्यक्ष महोदय, रामसिंहजी की प्रायोरिटी पहले है, सचिव महोदय तो बाद में ही बोल लेंगे। पहले...

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : अध्यक्ष तय करेंगी प्रायोरिटी किसकी है, अध्यक्ष महोदय का विवेक है।

**श्री अध्यक्ष** : अब जब खड़े हो गये, मैं पुकार चुकी हूं, इनके बाद में बोल लें।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : नहीं, यह माननीय सदस्य नहीं हैं, यह आपके और सदन के मातहत हैं...

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : यह तय आप नहीं करोगे। आसन को डिक्टेट कर रहे हैं।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : यह पहले रामसिंहजी को आपने पुकार लिया था, पहले इनकी बात सुनिये आप।

**श्री अध्यक्ष** : मैंने पुकारा नहीं रामसिंहजी को।

**श्री रामनारायण चौधरी** : आपने कहा है...

**श्री अध्यक्ष** : इनके बाद रामसिंहजी को पुकार लूंगी।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : नहीं, उसके बाद फिर, ऐसा है, हम शोकाभिव्यक्ति के बीच में नहीं आना चाहेंगे, पहले सरकारी कामकाज है उसके बारे में सदन आहूत हो गया और सदन के दो दिन पहले बिजली की दर जो बढ़ाई गई, किसानों के कनेक्शन बढ़ाये गये, इसके बारे में यह जरूरी बात कहना चाहते हैं और इनको सुनना नहीं है, आज कोई जीरो आवर नहीं है, प्रश्न आवर नहीं है, तब क्या होगा माननीय सदस्य के साथ...

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : प्रतिपक्ष के नेता कौन से नियमों में... अध्यक्ष महोदय, यह सदन नियमों से चलता है, प्रक्रिया से...

**श्री अध्यक्ष** : सुनेंगे।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : पहले आप इनकी बात सुन लीजिये, फिर हम सचिव की बात सुन लेंगे।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : कौन से नियमों में अपनी बात रखना चाहते हैं? नियम तो बतायें, कौन से नियमों में अपनी बात रखना चाहते हैं माननीय सदस्य? कोई तो नियम होंगे, कोई तो नियम होंगे सदस्य बुलाने के।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : पहले रामसिंहजी की बात सुननी पड़ेगी। अध्यक्ष महोदय, यह परम्परा रही है कि सचिव से पहले माननीय सदस्य का अधिकार है।

**श्री रामसिंह विश्नोई** : एक ही मिनट साहब।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : आप बोल लिये, हमने आपका आदर रखा है, हम सब बैठ गये, अपना प्रोटेस्ट कर रहे थे...

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : कोई नियम तो होंगे न।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : लेकिन अब सचिव महोदय से पहले माननीय सदस्य बोलना चाहते हैं जो बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं। इनकी बात सुन लें, उसके बाद सचिव बोल लेंगे।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : अध्यक्ष महोदय, आप डिबेट को ओपन कर रहे हैं, यह कौन से नियमों में...

**श्री रामसिंह विश्नोई** : अध्यक्ष महोदय, आप एक मिनट . .

**श्री अध्यक्ष** : मैंने इनका नाम पुकार लिया, आप उसके बाद बोल लीजियेगा।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : तो क्या हो गया?

**श्री रामसिंह विश्नोई** : एक मिनट, बाद में तो बोलते ही रहेंगे। (व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : बोलो, बोलो सैक्रेटरी साहब।

**श्री रामसिंह विश्नोई** : अध्यक्ष महोदय, यह शोकाभिव्यक्ति से भी ज्यादा इम्पोर्टेंट है यह मामला हमारे वाला।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : कौन से नियमों में, आप यह बतायें न।

**श्री रामसिंह विश्नोई** : यह राजस्थान के अन्दर, राजस्थान प्रदेश के अन्दर जो राज्य सरकार ने और कम्पनीज ने किसानों के पन्द्रह पैसे...

**श्री अध्यक्ष** : किसानों के नहीं बढ़े, किसानों के नहीं बढ़े।

## राज्यपाल महोदय से अनुमति प्राप्त विधेयक

**सचिव, राजस्थान विधान सभा** (श्री एच. आर. पूनिया) : अध्यक्ष महोदय, मैं गत सत्र में पारित उन विधेयकों का विवरण सदन की मेज पर रखता हूं जिन पर राज्यपाल महोदय की अनुमति प्राप्त हो चुकी है :

1. राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2004
2. राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2004
3. राजस्थान विनियोग (लेखानुदान) (संख्या-2) विधेयक, 2004

**श्री रामसिंह विश्नोई** (लूणी) : बिजली की दर जो बढायी है माननीय अध्यक्ष महोदय...

## सदन की मेज पर रखे जाने वाले पत्रादि

## अध्यादेश

### राजस्थान विक्रय कर (संशोधन) विधेयक, 2004

**श्री अध्यक्ष** : श्रीमती वसुन्धरा राजे अध्यादेश सदन की मेज पर रखेंगी।

**श्रीमती वसुन्धरा राजे** (मुख्य मंत्री) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं राजस्थान विक्रय कर (संशोधन) अध्यादेश, 2004 सदन की मेज पर रखती हूं।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : अध्यक्ष महोदय, इस तरीके से इस राज्य सरकार ने... अध्यक्ष महोदय, पहले रामसिंहजी बोल रहे हैं, वे अपनी बात कह दें फिर हम अपनी बात कह देंगे।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : अध्यक्ष महोदय, कौनसे नियमों में? यह सदन नियमों से चलता है। कौनसे नियमों में बोलेंगे? माननीय सदस्य, कोई नियम तो होगा?

**श्री अध्यक्ष** : मैं आपको मौका दूंगी।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : आपने आगे का बिजनस ले लिया। आगे का बिजनस कराइये। कोई तो नियम होगा प्रतिपक्ष के नेता, यह सदन नियमों से चलता है। नियमों और प्रक्रियाओं से चलता है। कौनसे नियमों की बात कर रहे हो? कौनसे नियमों में बोलेंगे ये?

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : ऐसा है विधान सभा सत्र के आहूत करने के बाद चोर दरवाजे से जिस तरीके से सरकार ने आश्वासन दिया था कि हम बिजली की दरें नहीं बढ़ायेंगे...(व्यवधान)

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : माननीय अध्यक्ष महोदय, ये कौनसे नियमों में बोल रहे हैं? (व्यवधान) आप प्रताड़ना दीजिये इनको।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** : माननीय अध्यक्ष महोदय, यह बहस का विषय अभी नहीं है।

**श्री अध्यक्ष** : मौका मिलेगा आपको। सदन चलेगा कई दिन तक। आपको मौका मिलेगा। आप बहस कीजियेगा दिल खोलकर कीजियेगा।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : हम अपनी बात कह कर वाक आउट कर रहे हैं।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** : हां, वाक आउट कर जाएं आप।

**श्री सांवर लाल** : अध्यक्ष महोदय, इनको पता है कि कोयले की रेट बढ़ा दी डीजल की बढ़ा दी।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** : आपको वाक आउट करना है कर जाएं. पर यह जांच करने का अवसर नहीं है।

**श्री सांवर लाल** : (व्यवधान) ढाई सौ करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है बिजली कम्पनियों को।

**श्री अध्यक्ष** : आपको मौका मिलेगा।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : फिर शोकाभिव्यक्ति का मामला आ जाएगा।

**श्री सांवर लाल** : कोयले की दरें कम करवा दो भारत सरकार से, हम भी बिजली के पैसे घटा देंगे।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** : यह परम्पराओं और नियमों में, अध्यक्ष महोदय, सब में है प्रतिपक्ष वाक आउट करना चाहे, सहमत नहीं हो तो कर जाए लेकिन आज अवसर बोलने का बिलकुल नहीं है।

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : आपने तीन बार बढ़ायी है। आपने 70% बिजली की दरों में बढ़ोतरी किसी ने की है राजस्थान में तो कांग्रेस सरकार ने की।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : राज्य सरकार ने आश्वासन सदन में दिया। ऊर्जा मंत्री के प्रतिनिधि के रूप में शिक्षा मंत्री ने सदन में यह आश्वासन दिया था कि हम बिजली की दरें नहीं बढ़ायेंगे, इन्होंने बिजली की दर बढ़ा दी।

**श्री महावीर प्रसाद जैन** : अवसर आने पर अपनी बात कहें।

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : 15% आपने शुल्क बढ़ाया है किसानों को... (व्यवधान) कनेक्शन जो पहले 17 हजार रुपये में होता था आज उसकी दर 25 हजार रुपये कर दी। किसानों के ऊपर भार बढ़ाया है हम इस इश्यु के ऊपर सारे सदन के लोग, किसानों के ऊपर और आम व्यक्ति के ऊपर जो विद्युत दर बढ़ायी है उसके विरोध में हम सदन से वाक आउट करते हैं और सरकार को आगाह करते हैं कि...

**श्री राजेन्द्र राठौड़** : आपने 70% बिजली की दरों में अपने शासन में बढ़ोतरी की है... (व्यवधान)

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : ...वो बढ़ी हुई दर वापस लें नहीं तो इसके लिए कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन चलायेगी और इसका विरोध करेगी। मैं माननीय सदस्यों से आग्रह करता हूं जो सत्ता पक्ष के हैं वो भी...(व्यवधान ) आप बढ़ी

(डा. बुलाकीदास कल्ला)

हुई दरों को वापस करवायें। आपके प्रदेशाध्यक्ष ने कहा, आपकी मुख्य मंत्री ने कहा और सब लोगों ने यह कहा था कि हम बिजली की दर नहीं बढ़ायेंगे, आपने वादा खिलाफी की है और इस वादा खिलाफी के खिलाफ हम वाक आउट करते हैं।

**(माननीय अध्यक्ष द्वारा हाथ के इशारे से अंकित नहीं करने के निर्देश प्रदान किये गये)**

**(इण्डियन नेशनल कांग्रेस दल के सदस्यों द्वारा सदन से बहिर्गमन)**

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री) : अध्यक्ष महोदय, राजस्थान सरकार ने बिजली की दर नहीं बढ़ायी, केन्द्र सरकार ने कोयले का, डीजल का भाव बढाकर राजस्थान सरकार को बाध्य किया है। केन्द्र सरकार ने सारे राजस्थान में रसोई गैस, डीजल, कोयले का भाव बढ़ाया है। यह कांग्रेस पार्टी का पाप है जिसको राजस्थान के उपभोक्ताओं को भोगना पड़ेगा। हमारी सरकार ने ढ़ाई सौ करोड़ रुपये किसानों के लिए दिये हैं। इस बार भी जो फ्यूल चार्ज बढ़ा है उसमें किसानों पर एक पैसा नहीं लगा है। राजस्थान की 90% जनता पर नहीं लगा है। यह कांग्रेस का पाप है और कांग्रेस का पाप कांग्रेस को ही... (व्यवधान)

**मोहम्मद माहिर आजाद** : x x x

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** : ...और कांग्रेस पार्टी अगर डीजल और कोयले की दर वापस लेती है तो हमारी सरकार भी फ्यूल चार्ज वापस लेने के लिए तैयार है। पहले कांग्रेस पार्टी के लोग केन्द्र सरकार से पैसा वापस करवायें फिर हम भी वापस ले लेंगे। इस बढ़े हुए पैसे के लिए कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार है।

**मोहम्मद माहिर आजाद** : x x x

**डा. बुलाकीदास कल्ला** : आपने आश्वासन दिया था तब यह कहा था क्या कि ऐसा करेंगे तब ऐसा होगा?

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** : कल्ला जी, यह आपका पाप है आपको ही... (व्यवधान)

**डा. बुलाकीदास कल्ला :** आपने खुद ही आश्वासन दिया था। आपने आश्वासन दिया था।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी :** यह पाप आपका है... (व्यवधान) डीजल का भाव बढ़ाया, आपने कोयले का भाव बढ़ाया... (व्यवधान) आपने रसोई गैस का भाव बढ़ाया।

**डा. बुलाकीदास कल्ला :** आपका विश्वास प्राप्त है। आपके ऊपर 22 सौ करोड़ रुपये का कर्जा है... (व्यवधान) ऐसा है माननीय सदस्य आपको आश्वासन देने के पहले यह सोचना चाहिए था। आपने आश्वासन क्यों दिया कि हम बिजली की दर नहीं बढ़ायेंगे। आपने विश्वासघात किया है। धोखा किया है राजस्थान की जनता के साथ में।

**श्री घनश्याम तिवाड़ी :** राजस्थान की जनता आपको माफ नहीं करेगी।

**श्री हरिमोहन शर्मा :** x x x

**श्री अध्यक्ष :** प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यगण। माननीय मुख्य मंत्रीजी।

## राजस्थान स्टाम्प (संशोधन) अध्यादेश, 2004

**श्रीमती वसुन्धरा राजे (मुख्य मंत्री) :** अध्यक्ष महोदय, मैं राजस्थान स्टाम्प (संशोधन) अध्यादेश, 2004 सदन की मेज पर रखती हूं।

**मोहम्मद माहिर आजाद :** हमने तो सोचा कि आप बढ़ी हुई दर वापस ले रही हैं आप तो कोई बिल रख रही हैं। घनश्यामजी, किस दबाव में कही थी आपने यह बात?

**श्री अध्यक्ष :** आप अपना प्रोटेस्ट दर्ज करा चुके हैं। अब आप विराजिये।

**एक माननीय सदस्य :** फील गुड में कह दी होगी।

**मोहम्मद माहिर आजाद :** फील गुड में कही थी वो फील गुड का क्या हुआ?

**श्री अध्यक्ष :** श्री घनश्याम तिवाड़ी, दो अध्यादेश सदन की मेज पर रखेंगे।

## राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2004

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री) : अध्यक्ष महोदय, मैं राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2004 सदन की मेज पर रखता हूं।

**श्री अध्यक्ष** : सत्ता पक्ष को इतना उत्तेजित होने की आवश्यकता नहीं है।

## राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) अध्यादेश, 2004

**श्री घनश्याम तिवाड़ी** (शिक्षा मंत्री) : अध्यक्ष महोदय, मैं राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) अध्यादेश, 2004 सदन की मेज पर रखता हूं।

**मोहम्मद माहिर आजाद** : फील गुड का क्या हुआ? हवा निकल गई।

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्यगण, सत्ता पक्ष को इतना उत्तेजित होने की आवश्यकता नहीं है। कृपया सहानुभूतिपूर्वक अपने-अपने स्थान पर बैठे रहें। माननीय श्री मदन दिलावर।

## राजस्थान सहकारी सोसायटी (संशोधन) अध्यादेश, 2004

**श्री मदन दिलावर** (सहकारिता मंत्री) : अध्यक्ष महोदय, मैं राजस्थान सहकारी सोसाइटी (संशोधन) अध्यादेश, 2004 सदन की मेज पर रखता हूं।

## शोकाभिव्यक्ति

**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्यगण, शोकाभिव्यक्ति के इस अवसर पर मैं गत दिनों दिवंगत हुए श्री सिकन्दर बख्त, राज्यपाल, केरल; श्री रामप्रकाश गुप्त, राज्यपाल, मध्यप्रदेश; श्री ई. के. नयनार, पूर्व मुख्य मंत्री, केरल; इस विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री सहदेव शर्मा, श्री हरिशचंद्र पल्लीवाल, श्रीरंगजी मीणा, श्री जीवराज सिंह राठौड़ तथा राजस्थान से राज्य सभा के सदस्य डा. अबरार अहमद के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए यह शोक प्रस्ताव प्रस्तुत करती हूं।

केरल के राज्यपाल श्री सिकन्दर बख्त का जन्म 24 अगस्त, 1918 को दिल्ली में हुआ। आपने बी. एससी. की उपाधि प्राप्त की।

(श्री अध्यक्ष)

श्री बख्त 18 अप्रैल, 2002 को केरल के राज्यपाल के पद पर आसीन हुए। इससे पूर्व आप छठी लोक सभा के लिए दिल्ली के चांदनी चौक निर्वाचन क्षेत्र से जनता पार्टी के सांसद निर्वाचित हुए। इस दौरान आप मार्च, 1977 से जुलाई, 1979 तक केन्द्रीय सरकार में आवासन, आपूर्ति, पुनर्वास तथा वक्फ विभागों के मंत्री रहे। श्री सिकन्दर बख्त अप्रैल, 1990 में राज्य सभा के सांसद निर्वाचित हुए। आप 7 जुलाई, 1992 से 15 मई, 1996 तक राज्य सभा में प्रतिपक्ष के नेता भी रहे। अप्रैल, 1996 में आप पुन: राज्य सभा के सांसद निर्वाचित हुए। 16 मई, से 31 मई, 1996 तक आप केन्द्र सरकार में शहरी मामलात, रोजगार व विदेश मामलात विभागों के मंत्री रहे। 1 जून, 1996 से 18 मार्च, 1998 तक आप दूसरी बार राज्य सभा में प्रतिपक्ष दल के नेता रहे। मार्च, 1998 से नवम्बर, 1999 तक आप केन्द्र सरकार में उद्योग मंत्री रहे। दिसम्बर, 1999 में आपको राज्य सभा में सदन का नेता भी बनाया गया।

राजनैतिक जीवन के प्रारम्भ में कांग्रेस से सम्बद्ध रहे श्री सिकन्दर बख्त वर्ष 1977 में जनता पार्टी के महासचिव, वर्ष 1980–1982 में भारतीय जनता पार्टी के महासचिव तथा वर्ष 1982 से 1993 तक भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रहे। आप आपातकाल के दौरान 18 माह जेल में बंदी रहे।

राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ तथा अन्तर संसदीय संघ के विभिन्न सम्मेलनों में भाग लेने वाले श्री बख्त को वर्ष 2000 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

श्री सिकन्दर बख्त का दिनांक 23 फरवरी, 2004 को निधन हो गया।

मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री रामप्रकाश गुप्त का जन्म 26 अक्टूबर, 1923 को उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के सुखवां–दुखवां ग्राम में हुआ। आपने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एम. एससी. की उपाधि प्राप्त की।

श्री गुप्त 7 मई, 2003 को मध्य प्रदेश के राज्यपाल के पद पर आसीन हुए। इससे पूर्व आप वर्ष 1964 में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के सदस्य निर्वाचित हुए। श्री गुप्त वर्ष 1967–68 में चौधरी चरण सिंह सरकार में उप मुख्य मंत्री व शिक्षा मंत्री रहे। आप वर्ष 1977 में उत्तर प्रदेश विधान सभा के

(श्री अध्यक्ष)

विधायक निर्वाचित हुए तथा वर्ष 1977-79 में उत्तर प्रदेश सरकार में उद्योग मंत्री रहे। वर्ष 1993 में आप पुनः उत्तर प्रदेश विधान सभा के विधायक निर्वाचित हुए। आप वर्ष 1999 में उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री बनाये गये तथा ग्यारह माह तक इस पद पर आसीन रहे।

श्री रामप्रकाश गुप्त वर्ष 1964 में लखनऊ नगर निगम के उप महापौर भी रहे तथा वर्ष 1988 में आप उत्तर प्रदेश आयोजना बोर्ड के उपाध्यक्ष रहे।

श्री गुप्त अपने छात्र जीवन में ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से सम्बद्ध हो गये थे। आपने स्वतंत्रता आन्दोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। आपने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से प्रतिबन्ध हटाने तथा गो हत्या पर प्रतिबंध लगाने हेतु आन्दोलन किया तथा जेल भी गये। श्री गुप्त उत्तर प्रदेश भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष सहित संगठन के कई पदों पर आसीन रहे। आप आपातकाल के दौरान जेल में बंदी रहे।

श्री रामप्रकाश गुप्त का दिनांक 1 मई, 2004 को निधन हो गया।

केरल के पूर्व मुख्य मंत्री श्री इरम्बला कृष्णन नयनार का जन्म 9 दिसम्बर, 1919 को केरल के कन्नूर जिले के कल्लाईसेरी में हुआ।

श्री नयनार वर्ष 1967 में पालघाट निर्वाचन क्षेत्र से लोक सभा के सांसद निर्वाचित हुए। वर्ष 1974 में केरल विधान सभा के लिए हुए उप चुनाव में आप प्रथम बार विधायक निर्वाचित हुए। इसके बाद आप वर्ष 1980, 1982, 1999 तथा 1996 में पुनः केरल विधान सभा के विधायक निर्वाचित हुए। श्री नयनार जनवरी, 1980 से अक्टूबर 1981, मार्च 1987, जून 1991 तथा मई, 1996 से मई, 2001 तक केरल के मुख्य मंत्री रहे। आप 1982 से 1987 और जुलाई 1991 से फरवरी, 1992 तक विधान सभा में प्रतिपक्ष के नेता भी रहे।

छात्र जीवन से ही कम्यूनिस्ट आन्दोलन से सम्बद्ध रहे श्री नयनार वर्ष 1964 में पार्टी में विभाजन के पश्चात् मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी की केन्द्रीय समिति के सदस्य तथा राज्य इकाई के सचिव रहे। आप पार्टी के पोलित ब्यूरो के सदस्य भी रहे। श्री नयनार के केरल के ऐतिहासिक (कय्यूर) कृषक आन्दोलन व (मोरका) आन्दोलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया। आपने

(श्री अध्यक्ष)

औद्योगिक व कृषि श्रमिकों के कई आन्दोलनों व हड़तालों का नेतृत्व किया तथा अनेक बार जेल यात्राएं कीं।

"देशाभिमानी" दैनिक के सम्पादक रहे श्री नयनार की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक मुद्दों पर लगभग 20 पुस्तकें प्रकाशित हुईं।

श्री ई. के. नयनार का दिनांक 19 मई, 2004 को निधन हो गया।

पूर्व विधायक श्री सहदेव शर्मा का जन्म 1 अगस्त, 1930 को पश्चिमी पाकिस्तान के स्यालकोट में हुआ। आपने राजस्थान विश्वविद्यालय से एम. ए. हिन्दी की उपाधि प्राप्त की।

श्री सहदेव शर्मा दूसरी, चौथी, पांचवीं व ग्यारहवीं राजस्थान विधान सभा में विधायक रहे। आप दूसरी, पांचवी तथा ग्यारहवीं विधान सभा के लिए हुए निर्वाचनों में कांग्रेस के तथा चौथी विधान सभा के लिए स्वतंत्र पार्टी के विधायक निर्वाचित हुए। आपने दूसरी, चौथी तथा ग्यारहवीं राजस्थान विधान सभा में आमेर निर्वाचन क्षेत्र का तथा पांचवीं विधान सभा में जमआरामगढ़ निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप गृह समिति, याचिका समिति, नियम समिति तथा जन लेखा समिति के सदस्य रहे।

समाज कल्याण हेतु निरन्तर प्रयत्नशील रहे श्री शर्मा वर्ष 1952 से 1955 तक जयपुर जिला बार के सदस्य तथा वर्ष 1965 से 1977 तक जयपुर के जिला प्रमुख रहे।

श्री सहदेव शर्मा का दिनांक 27 मई, 2004 को आकस्मिक रूप से निधन हो गया।

पूर्व विधायक श्री हरिशचंद्र पल्लीवाल का जन्म 11 अगस्त, 1941 को सवाईमाधोपुर जिले के गंगापुर सिटी कस्बे में हुआ। आपने बी. काम. की उपाधि प्राप्त की।

श्री पल्लीवाल पांचवीं, आठवीं तथा दसवीं राजस्थान विधान सभा के लिए गंगापुर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक निर्वाचित हुए। विधान सभा

(श्री अध्यक्ष)

के कार्यकाल के दौरान आप नियम समिति, राजकीय उपक्रम समिति तथा प्रश्न एवं संदर्भ समिति के सदस्य रहे।

श्री पल्लीवाल अपने सार्वजनिक जीवन में वर्ष 1970 से 1973 तक गंगापुर नगरपालिका तथा वर्ष 1975 में गंगापुर नगर सुधार न्यास के सदस्य रहे। आप वर्ष 1986 में गठित जिला कारागृहों की सलाहकार समिति के सदस्य रहे। प्रारम्भ से ही कांग्रेस पार्टी से सम्बद्ध रहे श्री पल्लीवाल वर्ष 1967 से 1970 तक गंगापुर कांग्रेस के उपाध्यक्ष भी रहे।

अनेक सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षणिक संस्थाओं से सम्बद्ध रहे श्री पल्लीवाल गरीब विद्यार्थियों व असहाय लोगों की सहायता के लिए सदैव प्रयत्नशील रहे।

श्री हरिशचंद्र पल्लीवाल का दिनांक 18 अप्रैल, 2004 को निधन हो गया।

पूर्व विधायक श्री रंगजी मीणा का जन्म 15 जुलाई, 1934 को सवाई माधोपुर जिले की सपोटरा तहसील के जोड़ली ग्राम में हुआ। आपने प्राथमिक स्तर तक की शिक्षा प्राप्त की।

श्री मीणा छठी, सातवीं तथा दसवीं राजस्थान विधान सभा में सपोटरा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक रहे। आप छठी विधान सभा में जनता पार्टी के तथा सातवीं एवं दसवीं विधान सभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप अनुसूचित जाति कल्याण समिति, गृह समिति तथा राजकीय उपक्रम समिति के सदस्य रहे।

सामाजिक कार्यों में रुचि रखने वाले श्री रंगजी मीणा पिछड़ी जातियों में शिक्षा प्रसार के साथ-साथ मद्य निषेध, मृत्यु भोज, दहेज प्रथा तथा अस्पृश्यता जैसी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिए भी प्रयासरत रहे।

श्री रंगजी मीणा का दिनांक 17 अप्रैल, 2004 को निधन हो गया।

पूर्व विधायक श्री जीवराज सिंह राठौड़ का जन्म 5 जून, 1939 को हुआ। आपने लोहिया कालेज, चूरू से बी. ए. द्वितीय वर्ष तक शिक्षा प्राप्त की।

(श्री अध्यक्ष)

श्री राठौड़ सातवीं (1980–85) व आठवीं (1985–90) राजस्थान विधान सभा के लिए पीलीबंगा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस (आई) के विधायक निर्वाचित हुए। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप सरकारी आश्वासन सम्बन्धी समिति, जन लेखा समिति, राजकीय उपक्रम समिति तथा वित्त, करारोपण, आबकारी, शिक्षा भाषा वक्फ विभागों की संसदीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य रहे।

अपने सार्वजनिक जीवन में आप भू–आबंटन (उपनिवेशन क्षेत्र) सलाहकार समिति तथा बीकानेर रेलवे मण्डल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति सहित अनेक समितियों के सदस्य रहे। समाज सेवा में रुचि रखने वाले श्री राठौड़ युवक कांग्रेस इकाई के ब्लाक अध्यक्ष भी रहे।

श्री जीवराज सिंह राठौड़ का एक सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल होने के बाद दिनांक 20 मई, 2004 को निधन हो गया।

राज्य सभा के सांसद डा. अबरार अहमद का जन्म 10 जुलाई, 1956 को बारां जिले के छीपाबड़ौद ग्राम में हुआ। आपने एम.काम तथा पी.एचडी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

डा. अबरार अहमद वर्ष 1988 और 2002 में राजस्थान से राज्य सभा के सांसद निर्वाचित हुए। आप जनवरी, 1993 से अप्रैल, 1994 तक केन्द्र सरकार में वित्त एवं संसदीय मामलात मंत्री रहे। राज्यसभा में आप उद्योगों से सम्बन्धित समिति के सदस्य भी रहे।

छात्र जीवन में ही कांग्रेस से सम्बद्ध हुए श्री अहमद वर्ष 1975–78 में एन. एस. यू. आई., सवाई माधोपुर जिले के अध्यक्ष, 1985–88 में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, वर्ष 1989–92 में जिला कांग्रेस कमेटी, सवाईमाधोपुर के अध्यक्ष रहे। वर्ष 1995–97 में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव तथा जून, 2001 से राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रहे।

वर्ष 1992 में गांधी अभिवादन समिति द्वारा डा. अबरार अहमद को "बेस्ट पार्लियामेंटेरियन" का पुरस्कार प्रदान किया गया। डा. अबरार अहमद

(श्री अध्यक्ष)

अपने सार्वजनिक जीवन में अनेक सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं से सम्बद्ध रहे।

डा. अबरार अहमद का गत दिनों चुनाव प्रचार के दौरान एक सड़क दुर्घटना में दिनांक 4 मई, 2004 को असामयिक निधन हो गया।

मैं, दिवंगत व्यक्तियों को अपनी ओर से तथा इस सदन के सभी माननीय सदस्यों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि दिवंगत व्यक्तियों की आत्माओं को शांति प्रदान करे तथा उनके शोक संतप्त परिजनों को उनका बिछोह सहन करने की शक्ति दें।

माननीय सदस्यगण कृपया दो मिनट मौन खडे रहकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करें।

**(तदनन्तर सदन ने दो मिनट मौन खड़े रहकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की)**

सदन की कार्यवाही कल दिनांक 1 जुलाई, 2004 के प्रात : 11.00 बजे तक के लिये स्थगित की जाती है।

**(तदनन्तर सदन की बैठक 11.40 बजे, गुरुवार दिनांक 1 जुलाई, 2004 के प्रातः 11.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई)**

---

# सदस्य-सूची

## बुधवार, दिनांक 30 जून, 2004


| नाम | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| **श्री अध्यक्ष** | |
| **शोकाभिव्यक्ति एवं श्रद्धांजलि** | |
| -डा. अबरार अहमद, राज्य सभा सदस्य | 16 |
| -श्री ई के नयनार, पूर्व मुख्य मंत्री केरल | 16 |
| -श्री जीवराज सिंह राठौड, पूर्व सदस्य | 16 |
| -श्री रंगजी मीणा, पूर्व सदस्य | 16 |
| -श्री रामप्रकाश गुप्त, राज्यपाल मध्यप्रदेश | 16 |
| -श्री सहदेव शर्मा, पूर्व सदस्य | 16 |
| -श्री सिकन्दर बख्त, राज्यपाल केरल | 16 |
| -श्री हरिश्चन्द्र पल्लीवाल, पूर्व सदस्य | 16 |
| **संदेश** | |
| -राज्यपाल महोदय से प्राप्त कृतज्ञता ज्ञापन | 7 |
| **सभापति-तालिका** | |
| -श्री रामनारायण विश्नोई | 8 |
| -श्री सुरेन्द्र गोयल | 8 |
| **श्री घनश्याम तिवाड़ी (सांगानेर), मंत्री** | |
| **सदन पटल पर रखे गये पत्र** | |
| अध्यादेश | |
| -राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) अध्यादेश, 2004 | 16 |
| -राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2004 | 16 |
| **श्री बुलाकीदास कल्ला (बीकानेर)** | |
| **सदन पटल पर रखे गये पत्र** | |
| अध्यादेश | |
| -राजस्थान विक्रय कर (संशोधन) अध्यादेश, 2004 | 12 |

| नाम | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| **श्री मदन दिलावर (अटरू), मंत्री** | |
| **सदन पटल पर रखे गये पत्र** | |
| अध्यादेश | |
| -राजस्थान सहकारी सोसायटी (संशोधन) अध्यादेश, 2004 | 16 |
| **श्री मोहम्मद माहिर आजाद (नगर)** | |
| **अनुरोध एवं मांग** | |
| -बिजली की बढ़ी दरें वापस लेने की मांग | 1 |
| **श्रीमती वसुन्धरा राजे (झालरापाटन), मुख्य मंत्री** | |
| **सदन पटल पर रखे गये पत्र** | |
| अध्यादेश | |
| -राजस्थान विक्रय कर (संशोधन) अध्यादेश, 2004 | 11 |
| -राजस्थान स्टाम्प (संशोधन) अध्यादेश, 2004 | 15 |
| **श्री सचिव** | |
| **राज्यपाल महोदय से अनुमति प्राप्त विधेयक** | |
| -राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2004 | 11 |
| -राजस्थान विनियोग (लेखानुदान) (संख्या-2) विधेयक, 2004 | 11 |
| -राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2004 | 11 |